रजि.नं. IV-46/2025
शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट
(SDC. TRUST, LALITPUR U.P. 284403)
Counseling Centre. All Govt. Autonomous State Medical College
इस पावन अवसर पर
आपका हार्दिक अभिनन्दन करते है
vivo Y31
Madawara Uttar Pradesh Jul 1, 2026, 13:13

रजि.नं. IV-46/2025
देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट
(SDC. TRUST, LALITPUR U.P. 284403)
सम्पूर्ण भारत वर्ष
Centre. All Govt. Autonomous State Medical College
पावन अवसर पर
अभिनन्दन करते है
एवं विज्ञान की उन्नति हेतु देहदान करें
एवं जीवन

ORGAN DONATION
आपका
Jul 1, 2026, 13:28

Jul 1, 2026, 13:24

Jul 1, 2026, 13:40

SHANTI DEHDAN CHARITABLE TRUST
SDC. TRUST, LALITPUR (U.P.)
For-NOTTO
Jul 1, 2026, 12:55

चैरिटेबल ट्रस्ट
SOTTO, U.P.
DONATE ORGANS
SAVE LIVES
SHANTI DEHDAN CHARITABLE TRUST
SDC. TRUST, LALITPUR (U.P.)
अंगदान
For-NOTTO
Jul 1, 2026, 12:17

Jul 1, 2026, 12:14

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय,

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट एवं देवदूत फाउंडेशन द्वारा

जनपद ललितपुर में क्रमशः आयोजित, मासिक रक्तदान शिविर

स्थान: सम्बन्धित ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC Canter)

माह		ब्लॉक
जनवरी/ जुलाई	-	मड़ावरा
फरवरी/ अगस्त	-	महरौनी
मार्च/ सितंबर	-	तालबेहट
अप्रैल/ अक्टूबर	-	जखौरा
मई/ नवंबर	-	बार
जून/ दिसंबर	-	बिरधा

महत्वपूर्ण जानकारी: रक्तदान से शरीर पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।
एक स्वस्थ व्यक्ति हर 3 महीने में रक्तदान कर सकता है।

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान कर, जीवन बचाएं – मानवता का फर्ज निभाएं
ना जाति, ना धर्म – रक्तदान सबसे बड़ा कर्म

सम्पर्क सूत्र- 9451575733, 7398634976

रजि.नं. IV-46/2025 सत्यमेव जयते https://shantidehdantrust.org/

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में

शान्ति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट

(SDC. TRUST, LALITPUR U.P. 284403)

देवदूत फाउंडेशन, बिरधा

द्वारा

विशाल रक्तदान शिविर

के पावन अवसर पर आपका हार्दिक अभिनन्दन करते है

- चिकित्सा शिक्षा एवं विज्ञान की उन्नति हेतु देहदान करें
- जीवन रक्षा हेतु अंगदान एवं रक्तदान करें

"जीवन के बाद एक नई जिन्दगी जीने का एहसास"

सीएमओ के निर्देशों के बावजूद, मड़ावरा सीएचसी में रक्तदान शिविर में अव्यवस्था

पहल टुडे

ललितपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ावरा में आयोजित रक्तदान शिविर अव्यवस्थाओं और प्रशासनिक समन्वय के अभाव के कारण विवादों में घिर गया। आयोजकों का आरोप है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद सीएचसी प्रशासन ने अपेक्षित सहयोग नहीं किया, जिससे करीब 25 से 30 संभावित रक्तदाता बिना रक्तदान किए लौट गए और शिविर अपने संभावित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सका। शाति देहदान चैरिटेबल ट्रस्ट एवं देवदूत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में यह मासिक रक्तदान शिविर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। निर्धारित चक्रानुक्रम के अनुसार जनवरी और जुलाई माह में मड़ावरा ब्लॉक में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है। आयोजकों के अनुसार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ललितपुर ने 16 जून 2026 को पत्रांक 4200 के माध्यम से सीएचसी अधीक्षक को शिविर के सफल संचालन में आवश्यक सहयोग देने के निर्देश दिए थे, लेकिन मौके पर इन निर्देशों का पालन नहीं हुआ। शिविर में कुल 13 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जिसमें एक यूनिट दुर्लभ ए-नेगेटिव ब्लड ग्रुप भी शामिल रहा। इसके अलावा एक व्यक्ति ने देहदान का संकल्प भी लिया। आयोजकों का कहना है कि रक्तदाताओं के लिए पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। न तो ट्रस्ट समिति से और न ही ब्लड बैंक टीम से इस संबंध में कोई समन्वय किया गया। इसके अलावा, ग्रामीणों और तीमारदारों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के लिए सीएचसी केंपस में काउंसलिंग हेतु टेबल लगाने का अनुरोध भी सीएचसी प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया।

इससे शिविर में जागरूकता अभियान प्रभावित हुआ और संभावित रक्तदाताओं तक संदेश नहीं पहुंच सका। विवाद उस समय और बढ़ गया जब शिविर में रक्तदान करने आये सपाइयों ने बाहर कैंपस/स्थल पर लगाए गए समाजवादी पार्टी के रक्तदान बैनर को हटाने को लेकर अधीक्षक द्वारा आपत्ति जताई गई। आयोजकों के अनुसार, चिकित्सा अधीक्षक के कहने पर समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने बैनर तो हटा लिया, लेकिन विरोधस्वरूप बिना रक्तदान किए ही वापस लौट गए। इससे करीब 25 से 30 यूनिट अतिरिक्त रक्त संग्रहित होने की संभावना समाप्त हो गई। आयोजकों का कहना है कि यदि सीएचसी प्रशासन/स्टाफ द्वारा रक्तदान करने सहित पूरा सहयोग मिलता तो राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आयोजित यह शिविर कहीं अधिक सफल हो सकता था और कई जरूरतमंद मरीजों के लिए अतिरिक्त रक्त उपलब्ध कराया जा सकता था। स्थानीय लोगों और आयोजकों ने स्वास्थ्य विभाग से पूरे मामले की समीक्षा कर भविष्य में रक्तदान शिविरों के सफल आयोजन के लिए बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने की मांग की है।

सीएमओ के निर्देशों के बावजूद मड़ावरा सीएचसी में रक्तदान शिविर में अव्यवस्था

25–30 संभावित रक्तदाता लौटे, 13 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

ललितपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मड़ावरा में आयोजित रक्तदान शिविर अव्यवस्थाओं एवं प्रशासनिक समन्वय के अभाव के कारण अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर सका। आयोजकों का आरोप है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद सीएचसी प्रशासन द्वारा आवश्यक सहयोग नहीं दिया गया, जिसके चलते लगभग 25 से 30 संभावित रक्तदाता बिना रक्तदान किए ही लौट गए। ांति देहदान चौरिटेबल ट्रस्ट एवं देवदूत

फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में यह मासिक रक्तदान शिविर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। निर्धारित चक्रानुसार जनवरी एवं जुलाई माह में मड़ावरा ब्लॉक में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। आयोजकों के अनुसार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने 16 जून 2026 को पत्रांक–4200 के माध्यम से सीएचसी अधीक्षक को शिविर के सफल संचालन हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए थे, किंतु मौके पर इन निर्देशों का समुचित पालन नहीं किया गया। शिविर में कुल 13 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जिसमें एक यूनिट दुर्लभ ए–नेगेटिव रक्त समूह का भी शामिल है। इसके अतिरिक्त एक व्यक्ति ने देहदान का संकल्प भी लिया। आयोजकों का आरोप है कि रक्तदाताओं के लिए पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं की गई। साथ ही, ग्रामीणों एवं तीमारदारों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से परिसर में काउंसलिंग टेबल लगाने का अनुरोध भी सीएचसी प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया। इससे जागरूकता अभियान प्रभावित हुआ और संभावित रक्तदाताओं तक आवश्यक जानकारी प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच सकी। शिविर के दौरान विवाद उस समय और बढ़ गया, जब रक्तदान के लिए पहुंचे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए रक्तदान संबंधी बैनर पर चिकित्सा अधीक्षक ने आपत्ति जताई। आयोजकों के अनुसार, अधीक्षक के कहने पर कार्यकर्ताओं ने बैनर हटा लिया, लेकिन विरोधस्वरूप वे बिना रक्तदान किए ही वापस लौट गए। इससे लगभग 25 से 30 यूनिट अतिरिक्त रक्त संग्रहित होने की संभावना समाप्त हो गई। आयोजकों का कहना है कि यदि सीएचसी प्रशासन एवं स्टाफ का अपेक्षित सहयोग प्राप्त होता तो राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर आयोजित यह शिविर अधिक सफल हो सकता था और जरूरतमंद मरीजों के लिए अतिरिक्त रक्त उपलब्ध कराया जा सकता था। स्थानीय लोगों एवं आयोजकों ने स्वास्थ्य विभाग से पूरे प्रकरण की समीक्षा कर भविष्य में रक्तदान शिविरों के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए बेहतर समन्वय और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की है।